डॉ० अनुजा कुमारी
(इतिहास विभाग)
एस० एन० एस० आर० के० एस कॉलेज
सहरसा

Scanned By Scanner Go

कि प्यूरिटन लोग भी ऐलिजाबेथ के सुधार से संतुष्ट नहीं था इसका एक मात्र कारण यह है। कि उन्हे एंग्लिकन चर्च से कई बातों की भिन्नता नजर आ रही थी। वैसे लोग प्यूरिटन मूर्ति पूजा के विरोधी थी। वे वैभवता की शुद्ध और सरल शिक्षा पर बल देता साथ ही उसका जीवन भी सदा एवं सरल था। वे नाच गान धुम धराका इन सारी चीजों को प्रसंद बिल्कुल नही करते थे। वे तो सिर्फ चर्च के सुधार को आगे बढ़ाना चाहते थे। लेकिन महारानी एलिजाबेथ तो इंगलैंड की सासिका थी। और एक सासिका होने के कारण उन्हे सिर्फ चर्च पर ही नही बल्कि बहुत सारी चीजों पर ध्यान देना पड़ता था यही कारण है कि महारानी एलिजाबेथ से इन लोगो का संबध अच्छा नही था। इसलिए रानी की बातों का अभेलना के फलस्व इन लोग पर रानी कुचक चलना शुरु हो गया। ऐसी स्थिति मे बहुत सी प्यूरिटन लोग चर्च से अपना रिश्ता नाता तोड़ लिया जो बढ़ मे चलकर इंगलैंड मे डीसेंटर के नाम से जाने लगा इस क्रम महारानी ऐलिजाबेथ ने कितने लोग को निकाल बाहर किया और बहुत सारे लोग को मौत की सजा सुनाई गई इतना ही नही बल्कि एक प्रधानाध्यापक जिनका नाम काल राइट था। बात नही मानने

Scanned By Scanner Go

के कारण उन्हें जेल की हवा खानी पड़ी।
वैसे यह बात अलग है। कि बाद में चल
वह व्यक्ति संसद तक पहुँच गई और
महारानी एलिजाबेथ की खिलाफत करने ल
लेकिन इससे कोई खास अन्तर पड़ने व
नही था। इस प्रकार निष्कर्ष तौर पर ह
कह सकते है कि महारानी एलिजाबेथ की
स्थान इंगलैंड के इतिहास में महत्वपू
है। वैसे उसकी कभी इच्छा नही
कि धर्म के मामले वह किसी को ज
दस्ती परेशान करे लेकिन कभी क
आदमी लाचार एवं व्यवस्थ हो जाने
बाद कुछ भी करने को तैयार हो
जाता है। और शायद यही स्थिति
उनकी हो गई जिसे वे परेशान ह
गये। खैर जो कुछ भी हो कि इत
भी सर्वदा सत्य है। कि महत्वपूर्ण शासिव
थी।

THE
END

Scanned By Scanner Go